सीजन की शुरुआत में 42% बढ़ा चीनी का उत्पादन

ISMA ने इस साल 251 लाख टन उत्पादन का अनुमान लगाया

[पीटीआई | नई दिल्ली]

देश में इस साल चीनी के बंपर प्रॉडक्शन का अनुमान है। अक्टूबर से शुरू होने वाले मौजूदा मार्केटिंग ईयर 2017-18 के पहले दो महीनों में चीनी का प्रॉडक्शन 42 पर्सेंट बढ़कर 39.51 लाख टन हो गया। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (ISMA) ने पिछले साल चीनी के 202 लाख टन के मुकाबले इस साल 251 लाख टन प्रॉडक्शन का अनुमान लगाया है। एसोसिशन ने बताया कि इस साल अक्टूबर-नंवबर के दौरान चीनी का प्रॉडक्शन पिछले साल की इस अवधि के 27.82 लाख टन से बहुत अधिक बढ़कर 39.51 लाख टन रहा। इसमें प्रॉडक्शन करने वाले शुगर मिलों की संख्या में बढ़ोतरी मुख्य वजह रही। इस साल नवंबर तक कुल 443 मिलों ने शुगर प्रॉडक्शन किया, जबकि सालभर पहले इस अवधि में मात्र 393 मिलें ही प्रॉडक्शन कर रही थीं। ISMA के मुताबिक, देश में चीनी का सबसे अधिक उत्पादन करने वाले उत्तर प्रदेश में नवंबर तक 13.59 लाख टन उत्पादन हुआ जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 8.48 लाख टन से काफी अधिक है।

39.51 लाख टन उत्पादन

इस साल अक्टूबर-नंवबर के दौरान चीनी का प्रॉडक्शन पिछले साल की इस अवधि के 27.82 लाख टन से बहुत अधिक बढ़कर 39.51 लाख टन रहा। इसमें प्रॉडक्शन करने वाले शुगर मिलों की संख्या में बढ़ोतरी मुख्य वजह रही

देश में चीनी के उत्पादन के लिहाज से दूसरे स्थान पर मौजूद महाराष्ट्र में नवंबर तक उत्पादन 14.90 लाख टन रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 9.42 लाख टन था।

कर्नाटक में चीनी का उत्पादन पिछले साल नवंबर तक 6.80 लाख टन था, जो इस वर्ष कुछ बढ़कर 6.82 लाख टन प्रॉडक्शन रहा। ISMA ने बताया, 'अन्य राज्यों में भी पेराई की शुरुआत हो चुकी है और इसमें तेजी आ रही है।'

ISMA के मुताबिक, 'उत्तर प्रदेश की अधिकांश चीनी मिलों ने निर्धारित तिथि से 15 दिन पहले ही पेराई शुरू कर दी थी इसके चलते उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है।' मौजूदा शुगर मार्केटिंग ईयर की शुरुआत में में चीनी का पिछला स्टॉक लगभग 38.76 लाख टन का था, जो पिछले कुछ साल का सबसे निचला स्तर है।

The economic Times.
6-12-17.